



- प्रसार भारती के अध्यक्ष डॉ. नवनीत कुमार सहगल ने कहा –भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था दुनिया भर में सम्मान अर्जित कर रही है।
- भारतीय प्राणी सर्वेक्षण का क्षेत्रीय केंद्र, आज से भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए वन प्रबंधन पर अनिवार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है।
- मानसून पुस्तक वाचन महोत्सव 2.0 के तहत प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों में साक्षरता कौशल को बढ़ावा देने के लिए प्रतियोगिताएं आयोजित की जा रही है।
- राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने में ग्राम पंचायतों की भूमिका पर एक खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया।



प्रसार भारती के अध्यक्ष डॉ. नवनीत कुमार सहगल ने कल गोवा में लोक सेवा में आई सी ए आई सदस्यों की आवासीय बैठक को संबोधित करते हुए कहा कि भारत की बढ़ती अर्थव्यवस्था दुनिया भर में सम्मान अर्जित कर रही है। डॉ. सहगल ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक, भारत लगभग छह दशमलव आठ से सात प्रतिशत की मजबूत गति से बढ़ रहा है। उन्होंने कहा कि भारत के बारे में वैश्विक धारणाएँ तेजी से बदल रही हैं और अब विदेशों में लोग भारत को अधिक सम्मान की दृष्टि से देखते हैं। इस बैठक का विषय विकसित भारत @2047 की परिकल्पना को साकार करने में चार्टर्ड एकाउंटेंट्स की भूमिका था।



प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा घोषित और पिछले महीने की 22 तारीख से शुरु हुआ जीएसटी बचत उत्सव पूरे देश को लाभान्वित कर रहा है। एक रिपोर्ट



पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय के पाठ्यक्रम अनुसंधान एवं प्रशिक्षण प्रभाग की ओर से भारतीय प्राणी सर्वेक्षण के क्षेत्रीय केंद्र, भारतीय वन सेवा के अधिकारियों के लिए वन प्रबंधन हेतु प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन एवं संघर्ष समाधान कौशल पर एक सप्ताह का अनिवार्य प्रशिक्षण पाठ्यक्रम आयोजित कर रहा है। प्रशिक्षण आज से 17 अक्टूबर तक चलेगा। इस प्रशिक्षण पाठ्यक्रम में विभिन्न राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों के 30 भारतीय वन सेवा अधिकारी भाग ले रहे हैं। इस पाँच दिवसीय प्रशिक्षण पाठ्यक्रम का उद्घाटन सेवानिवृत्त पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. आर.एस.सी. जयराज करेंगे। इसके अलावा मध्य प्रदेश के पूर्व प्रधान मुख्य वन संरक्षक डॉ. दिलीप कुमार, मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव), डॉ. एस. दिनेश कन्नन, विशेष अतिथि होंगे।



मानसून पुस्तक वाचन महोत्सव 2.0 के तहत कल प्राथमिक स्तर के विद्यार्थियों के लिए शब्द निर्माण, "चित्र खोज" और "अपनी पुस्तक बनाएँ" जैसी प्रतियोगिताओं आयोजित की गईं। इस कार्यक्रम का उद्देश्य पढ़ने की आदतों को बढ़ावा देना, साहित्य के प्रति प्रेम को बढ़ावा देना और पुस्तक प्रेमियों को एक मंच प्रदान करना था। ये गतिविधियाँ विशेष रूप से कक्षा 1 से 5 तक के छात्रों के लिए रचनात्मकता और साक्षरता कौशल को बढ़ाने के लिए तैयार की गई थीं। इस अवसर पर शिक्षा उप निदेशक (योजना) अर्चना सिंह मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थी। उन्होंने प्रतिभागियों के साथ बातचीत कर उन्हें राज्य पुस्तकालय की सुविधाओं का लाभ उठाने की सलाह दी। बच्चों की किताबें, सामान्य ज्ञान सामग्री, कथा साहित्य, कहानी की किताबें और प्रतियोगी परीक्षा संसाधनों के साथ-साथ पठन क्षेत्र भी उपलब्ध कराया गया। प्रतियोगिताओं के विजेताओं को पुरस्कार वितरित किए गए।



प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना के तहत देश भर में कौशल विकास को बढ़ावा देने के लिए द्वीपसमूह में इंडिया स्किल प्रतियोगिता के लिए पंजीकरण प्रक्रिया शुरू हो गई है। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य युवाओं को अपनी प्रतिभा और कौशल को राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान करना है। इस प्रतियोगिता में 63 विभिन्न स्किल्स शामिल हैं, जिसमें राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रतिभागी हिस्सा लेंगे। अभियान का नारा है—“अब समय है आपके कौशल को नई ऊँचाईयों तक पहुंचाने का”। इच्छुक प्रतिभागी औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, डॉलीगंज की ओर से जारी क्यू आर कोड या आधिकारिक वेबसाइट पर जाकर अपने नाम दर्ज करा सकते हैं। पंजीकरण की अंतिम तिथि पन्द्रह अक्टूबर है।



राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान के तहत फरारगंज स्थित खंड विकास कार्यालय, की ओर से हाल ही में 'अच्छे स्वास्थ्य, कल्याण सुनिश्चित करने, बीमारियों की रोकथाम और मानसिक एवं शारीरिक स्वास्थ्य के बारे में जागरूकता फैलाने में ग्राम पंचायतों की भूमिका' पर एक खंड स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्देश्य जमीनी स्तर पर सामुदायिक स्वास्थ्य और स्वच्छता को बढ़ावा देने में ग्राम पंचायतों और स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं की क्षमता को मजबूत करना था। कार्यक्रम में प्रधानों, पंचायत सचिवों, एएनएम, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं

